nt>

12.10 hrs.

Title: Statement regarding Member of Parliament Local Area Development Scheme (MPLADS).

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल) : अध्यक्ष महोदय, संसद में शून्य काल में कुछ सासंदों ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के बारे में कुछ बिन्दू उठाए थे। यह योजना 23 दिसम्बर, 1993 को आरम्भ की गई। इस योजना के अन्तर्गत 1994-95 से एक करोड़ रुपए की राशि सासंद को अपने क्षेत्र में विकास के लिए दिए जाने का प्रावधान किया गया।

सासंद अपनी अनुशंसा से अपने क्षेत्र में एक करोड़ रुपए तक के विकास के काम करवा सकता है। 1998-99 में माननीय प्रधान मंत्री जी की ओर से इस राशि को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर दो करोड़ रुपए कर दिया गया।

यह राशि इसलिए भी आवश्यक थी कि सासेद से जनता अपेक्षा करती है कि वह अपने क्षेत्र में छोटे-बड़े विकास के काम कराए।

सासंदों की यह निधि की राशि उनके संसदीय क्षेत्र मे भेज दी जाती है, जिसे वहां के जिला अधिकारी के मध्यम से खर्च किया जाता है। विभिन्न राज्यों में सासंदों को अलग-अलग तरह की समस्यायें अपने कामों को करवाने में आती हैं, जिसे मेरा मंत्रालय समय-समय पर दूर करने का प्रयत्न करता है।

इटावा के सांसद श्री रघुराज सिंह शाक्य की भी यही शिकायत थी कि उन्होंने पिछले तीन साल में अपनी राशि से जो 156 प्रस्ताव दिए हैं, वे अधूरे पड़े हैं एवं नए कामों को भी स्वीकृत नहीं किया जा रहा। अध्यक्ष जी, इस संबंध में माननीय सदस्य की जब-जब शिकायत हमारे मंत्रालय में प्राप्त हुई है तब-तब हमने जिलाधिकारी से लेकर उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव का ध्यान दिलाया है एवं उचित कार्रवाई के लिए लिखा है। इसलिए पिछले संसद के दो सत्रों में हमने सांसदों की कार्यशाला भी आयोजित करनी शुरू की है ताकि सांसदों की कठिनाइयों को दूर किया जा सके। यह खुशी की बात है कि इन कार्यशालाओं में 200 से अधिक सांसदों ने प्रत्येक बार भाग लिया।

इस बार की एमपीलैड वर्कशाप में हमने दिशा-निर्देशों को और अच्छा एवं स्पट करने के लिए सांसदों के सुझाव लिए हैं, जिनको ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही दिशा-निर्देशों में संशोधन किया जाएगा। मेरे मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय को यह भी प्रस्ताव भेजा है कि प्रत्येक सांसद को एक सहायक रखने की सुविधा दी जाए ताकि वह इस तरह की दिन-प्रति-दिन की कठिनाइयों को दूर कर सकें। जिलाधिकारी से संपर्क रख सकें एवं सांसदों द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की समय-समय पर समीक्षा भी कर सकें।

अध्यक्ष जी, इसी तरह के मामले सांसद, श्रीमती हेमा गमांग, श्रीमती रेणुका चौधरी एवं श्री सी. कुप्पुस्वामी ने भी उठाए थे कि जिनको भी इस तरह की अन्य कठिनाइयां आ रही हैं।

मैं सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारा मंत्रालय इस संबंध में बहुत सक्रिय है एवं सांसदों से कोई भी शिकायत मिलते ही हम तुरंत कार्रवाई करने का प्र यत्न करते हैं किन्तु इस सांसद निधि से होने वाले कार्यों का कार्यन्वयन राज्य सरकारों द्वारा ही होना है। इसीलिए हम लगातार उनसे संपर्क कर निर्देश देते रहते हैं। एक सांसद होने के नाते मैं सांसदों की कठिनाइयों और भावनाओं से अच्छी तरह से अवगत हूं। इसीलिए यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चले, इसके लिए हम प्रयत्नशील रहेंगे।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष जी, हम इस पर एक मिनट बोलना चाहते हैं, ऐसे हम नहीं बैठ सकते।â€¦ (व्यवधान) हमें एक मिनट बोलने की अनुमति दी जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विाय पर अभी चर्चा नहीं ले सकता हूं, क्योंकि मेरे पास 35 नोटिस जीरो ऑवर के हैं। यदि सदन चाहता हैं कि सभी को आज बोलने का मौका मिले, क्योंकि आज आखिरी दिन है,â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, सभी को नहीं, इन्होंने इटावा का नाम लिया है, इसलिए हम इस पर बोलना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप पहले मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए, फिर आप बोलिए। मैं खुद यह सोच रहा हूं कि सभी के प्रश्न यहां आने चाहिए, इसलिए एक-एक मिनट में अपनी-अपनी बात रखें। इस विाय पर मैंने केवल मुलायम सिंह जी को बोलने की इजाजत दी है, आप प्रश्न पूछिए। आप एकदम संक्षेप में प्र श्न पूछिए तो उसका उत्तर आएगा।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे उत्तर प्रदेश के बारे में कह सकता हूं। मैं इटावा की परसों तक की रिपोर्ट दे सकता हूं। डीएम और तत्कालीन सीडीओ ने खुल्लमखुल्ला कह दिया कि हम एक रुपया भी नहीं देंगे, आप हमारा जो करना चाहें, कर लीजिए। आप रिपोर्ट मंगा लीजिए, अगर एक रुपया भी निर्गत किया गया हो। â€¦ (व्यवधान) रामगोपाल जी, राज्यसभा के सदस्य हैं। रघुनाथ सिंह, विधायक, अखिलेश यादव, सांसद और प्रजापति विधायक तथा अन्य सपा ि वधायकों ने एक रुपया भी अगर इस प्रस्ताव के अंतर्गत खर्च किया हो,â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं पूछना चाहता हूं कि जब प्रधानमंत्री कार्यालय का यह हाल है, वहां के मंत्री जी इस तरह गलत बयानी देंगे । मैंने स्वयं सवाल उठाया और प्रश्न पूछा, आपके सामने मैंने सवाल रखा है, आपको सूची दी है, पूरी डिटेल आपके सामने दी है। क्या मंत्री जी ने तीन दिन के अंदर जिलाधिकारी से पूछा है कि धव क्यों नहीं निर्गत किया गया और क्या उनको सजा देंगे ?

श्री विजय गोयल : मुलायम सिंह जी, आप अगर पूरे उत्तर प्रदेश की बात कर रहे हैं तो अलग-अलग सांसदों की अलग-अलग समस्याएं हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, ये अलग-अलग कह रहे हैं।â€¦ (व्यवधान) यह तो सांसदों को धमकी देने की बात है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने इतना ही कहा है कि समस्या अलग है, धमकी नहीं दे रहे हैं।

श्री विजय गोयल : शाक्य जी ने जो बात कही थी, उन्होंने जो समस्याएं रखी थीं, इन्होंने समय-समय पर कई पत्र लिखे हैं और हमने उन पर कार्यवाही की है। आपने यही मामला पिछली बार 16 तारीख को भी उठाया था, तभी से हम इस बात के लिए प्रयत्नशील हैं कि हम इस मामले की जांच करके पता लगाएंगे कि इस रुपए को क्यों नहीं रिलीज किया जाएगा। मैं आपको आश्वासन दे सकता हूं कि मैं एक हफ्ते के अंदर आपको इसकी रिपोर्ट दे दूंगा।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष जी, सवाल यह है कि जब प्रधान मंत्री कार्यालय इस मामले को देख रहा है तो क्या किसी जिला-अधिकारी को यह अधिकार है कि संसद की रिक्मेंडेशन के बावजूद भी वह पैसा न दे। एक नहीं तीन-तीन, चार-चार सांसद सिफारिश करें और वह पैसा न दे। मैं पूछना चाहता हूं कि कौनसा अधिकारी ऐसा है जिसको यह अधिकार मिला हुआ है कि वह संसद के निर्णय की अवेहलना करे। यह किसी पार्टी का सवाल नहीं है। सरकार इतनी निक्रिय कैसे हो गयी कि एक कलैक्टर लगातार ऐसा करता रहे। आज आप उनको आदेश दीजिए, नहीं तो अध्यक्ष महोदय, उस कलैक्टर को यहां पर हाजिर कीजिए।

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष जी, मैं सदस्य की भावना से परिचित हूं। आपको मैं बता दूं कि फंड इससे पहले भी रिलीज हुए हैं और उनसे काम भी हुए हैं तथा उनकी सूची भी हमारे पास है। माननीय मुलायम सिंह जी जिन सांसद महोदय के बारे में कह रहे हैं उनकी समस्या एक यह भी थी कि वह कुछ और एनजीओज से कार्य कराना चाहते थे जिसके ऊपर डीएम एग्री नहीं करता था।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम इटावा के जिला-अधिकारी की गंभीर अनियमितता की बात कर रहे हैंâ€¦ (व्यवधान) आप डीएम का बचाव क्यों कर रहे हैंâ€¦ (व्यवधान) यह क्या बात हुईâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या आप चाहते हैं कि शून्यकाल न हो। क्या आपको शून्य-प्रहर नहीं चाहिए। इसी प्रश्न पर आप चर्चा करना चाहते हैं तो ठीक है। आप क्या चाहते हैं?

â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रशेखर : अध्यक्ष जी, मेरा आपसे निवेदन है कि आप संसद के किसी भी सदस्य को इटावा भेज दीजिए। वहां जाकर वे देख लें कि इनकी बात सही है या जो मंत्री महोदय कह रहे हैं वह सही है।

श्री विजय गोयल : पहली बात तो यह है कि मैं आपसे अलग नहीं हूं। मैं सांसद के सामने किसी डीएम का बचाव करने वाला नहीं हूं। मेरे लिए संसद सदस्य प्रमुख है। दूसरी बात यह है कि माननीय मुलायम सिंह जी ने जो शिकायत की है, मैंने उसके बारे में पहले ही बता दिया है कि मैं एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट दे दूंगा, नहीं तो स्पीकर साहब से बात करके एक्शन करने के लिए लिख दूंगा।

(Placed in Library. See No. LT 6919/2002)

अध्यक्ष महोदय : अब मैं किसी भी सदस्य को इस प्रश्न पर बोलने नहीं दूंगा। हर प्रश्न महत्वपूर्ण है। जेपीसी के बारे में मैं आज प्रीयोरिटी देने वाला हूं लेकिन अभी देनी चाहिए, यह नहीं हो सकता।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, you said that we would be allowed to raise the issue of JPC in the 'Zero Hour'. JPC should get priority in the 'Zero Hour' today. ...(*Interruptions*) मैं आपसे प्रार्थना ही कर सकता हूं। जेपीसी का मसला गंभीर है। अगर हम उस पर यहां नहीं बोलेंगे तो कहां बोलेंगे।â€¦ (व्यवधान) Sir, the small investor has been looted. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, आप अपना प्रश्न क्या रखना नहीं चाहते हैं। आप अपना प्रश्न रखिये, नहीं तो मैं अगले प्रश्न पर आ जाऊंगा।

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : आप जेपीसी रिपोर्ट पढ़िये, उसमें क्या लिखा है वह पढ़िये।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I can understand that the question of JPC is important. I have already promised that I would be allowing it during the 'Zero Hour'. As a matter of fact, on this particular question, notice for Adjournment Motion was given which I have already refused. Therefore, this question cannot be raised by way of Adjournment Motion. I have also told at that time that during the 'Zero Hour' I would be permitting you. आज सेशन का आखिरी दिन है। कई माननीय सदस्यों ने अपने प्रश्न मेरे सामने रखे हैं। जीरो-आवर में पहले मैं आपको इजाजत देने वाला हूं।

यदि चेयरमैन का सम्मान नहीं करेंगे तो कैसे बात हो सकती है?

श्री मणि शंकर अय्यर (मइलादुतुरई) : मैं आपका बहुत सम्मान करता हूं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं जो बात बोल रहा हूं, उसे कम से कम सुनें।

I must say that Shri Dasmunsi has already approached me saying that this is an important issue. I have told him that though the Adjournment Motion on this issue has been rejected, I am going to permit the Members to speak.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप ऐसे कैसे कह सकते हैं? जिन्होंने मुझ से रिकवैस्ट की, वह भी सोचते हैं कि उनका प्रश्न महत्वपूर्ण है। Let me have some discretion. After Shri Ramji Lal Suman, I am going to allow you.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैं हरेक की बात नहीं सुन सकता हूं। मैं इन के बाद कांग्रेस पार्टी की तरफ से किसी को बोलने का मौका देना वाला हूं। आपको बाद में समय दूंगा।